कृषि उपज से किसानों की आय: RBI

[स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस]

चर्चा में क्यों?

भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) ने **रबी फसलों में उपभोक्ता मूल्यों में किसानों की हिस्सेदारी** पर एक **अखिल भारतीय सर्वेक्षण** किया।

- इसमें **18 राज्यों** की मंडियों और गाँवों को शामिल किया गया, जिसमें **12** [रबी फसलों] का विश्लेषण किया गया तथा **किसानों, व्यापारियों और खुदरा विक्रेताओं** से प्राप्त इनपुट भी शामिल किये गए।

कृषि उपज से किसानों की आय पर सर्वेक्षण के मुख्य निष्कर्ष क्या हैं?

- **उपभोक्ता मूल्यों में किसानों की हिस्सेदारी:** सर्वेक्षण में शामिल प्रमुख **रबी फसलों** के लिये किसानों को अंतिम उपभोक्ता मूल्य का **40-67%** प्राप्त हुआ।
  - **गेहूँ किसान:** गेहूँ किसानों को उपभोक्ता मूल्य का **67%** प्राप्त हुआ, जो सर्वेक्षण की गई फसलों में **सर्वाधिक** है, तथा **25%** किसानों ने सुनिश्चित बाज़ार के लिये **MSP** पर अपनी फसल बेची।
  - **चावल और अन्य अनाज:** खुदरा कीमतों में **चावल किसानों की हिस्सेदारी वर्ष 2024 में 52%** थी जो पिछले कुछ वर्षों में स्थिर रही, अर्थात **वर्ष 2022 में 45% और वर्ष 2018 में 49%।**
  - **दलहन और तिलहन:** मसूर किसानों को उपभोक्ता मूल्य का लगभग **66%** प्राप्त हुआ, जबकि **चना किसानों** को उपभोक्ता मूल्य का **60%** प्राप्त हुआ।
    - **सरसों किसानों को 52%** प्राप्त हुआ, जो **वर्ष 2021 के अध्ययन** में दर्ज **55%** से थोड़ा कम है।
- **शीघ्र नष्ट होने वाली फसलें: फलों और सब्जियों** में किसानों की हिस्सेदारी **40-63%** के बीच थी, जो अनाज और दालों की तुलना में काफी कम है।
  - **अधिकांश** [शीघ्र नष्ट होने वाली फसलों] (टमाटर को छोड़कर) के लिये उपभोक्ता कीमतों में **व्यापारियों और खुदरा विक्रेताओं की संयुक्त हिस्सेदारी 50%** से अधिक थी।
  - **शीघ्र नष्ट होने वाली फसलों (फल और सब्जियाँ) में किसानों की हिस्सेदारी** गैर-जल्दी खराब होने वाली फसलों (जैसे गेहूँ और दालें) की तुलना में **कम** थी।
    - शीघ्र नष्ट होने वाले उत्पादों की **शेल्फ लाइफ कम** होती है, इनका **उत्पादन मौसमी** होता है, इनकी **गुणवत्ता भिन्न** होती है, **विशेष लॉजिस्टिक्स, सख्त मानक, मांग में उतार-चढ़ाव,** जलवायु पर निर्भरता और आपूर्ति शृंखला अनिश्चितताएँ होती हैं।
- **डिजिटल लेनदेन:** कृषि में **नकद** लेनदेन अभी भी **हावी** है, लेकिन वर्ष 2018 और वर्ष 2022 की तुलना में वर्ष 2024 के सर्वेक्षण में **इलेक्ट्रॉनिक भुगतान** में उल्लेखनीय **वृद्धि** हुई है।
- **आपूर्ति शृंखला चुनौतियाँ:**
  - **अनेक मध्यस्थों** वाली **असंगठित आपूर्ति शृंखला, उत्पाद की आवाजाही, वित्त और मूल्य निर्धारण** में पारदर्शिता को सीमित करती है, जिससे उपभोक्ता कीमतों में किसानों का हिस्सा कम हो जाता है।
  - किसानों की कम हिस्सेदारी अनाज के अलावा [फसल विविधीकरण] को हतोत्साहित करती है।

यहाँ क्लिक करके पढ़ें: [कृषि उत्पादों पर कृषकों की तुलना में मध्यस्थों को अधिक लाभ: RBI]

दृष्टि मेन्स प्रश्न:

प्रश्न: भारत की कृषि आपूर्ति शृंखला में मध्यस्थों की भूमिका और किसानों की आय पर इसके प्रभाव का आकलन कीजिये।

UPSC सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्ष के प्रश्न

??????:

प्रश्न. न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) से आपका क्या तात्पर्य है? एमएसपी किसानों को निम्न-आय के जाल से कैसे बचाएगा? (2018)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/farmers-earning-in-agri-produce-rbi